भारत निर्वाचन आयोग

निर्वाचन सदन, अशोक रोड, नई दिल्ली

सं. ईसीआई/प्रे.नो./63/2017 दिनांक: 25 जुलाई, 2017

प्रेस नोट

आईआईआईडीईएम और अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए द्वारा वैश्विक रूप से क्षमता निर्माण के लिए निर्वाचकीय प्रशिक्षण पर दो दिवसीय परामर्शीय कार्यशाला की सह-मेजबानी

भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन संस्थान (आईआईआईडीईएम) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के सहयोग से आयोजित 'वैश्विक लोकतंत्रों हेतु निर्वाचकीय प्रशिक्षण संबंधी सुविधाओं का लाभ उठाने' के बारे में दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परामर्शीय कार्यशाला आज संपन्न हो गयी। दो दिवसीय कार्यशला में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों और भारत के विशेषज्ञों और निर्वाचन अधिकारियों की भागीदारी का संदर्भ देते हुए भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ए.के. जोति ने अपने समापन भाषण में कहा, "कार्यन्वयन के उद्देश्य हेतु सामूहिक समझदारी बेहतर होती है"। उन्होंने सभी हितधारकों के क्षमता विकास के लिए व्यापक दृष्टिकोण पर जोर दिया। श्री जोति ने नई दिल्ली वक्तव्य को एक उत्तम दस्तावेज के रूप में घोषित किया जो वैश्विक लोकतंत्रों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें आगे बढ़ने में सहायता करेगा। उन्होंने आगे कहा कि केवल कार्रवाई की योजना बनाना ही पर्याप्त नहीं है, क्योंकि किसी कथन/घोषणा का कार्यान्वयन अनिवार्य होता है।

श्री ए.के. जोति, मुख्य निर्वाचन आयुक्त (केन्द्र में) वैश्विक लोकतंत्रों के लिए निर्वाचकीय प्रशिक्षण सुविधाओं का लाभ उठाने' संबंधी दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय परामर्शी कार्यशाला पर 'नई दिल्ली वक्तव्य' जारी करते हुए।

कार्यशाला 24 जुलाई और 25 जुलाई, 2017 को ललित होटल, नई दिल्ली में आयोजित की गयी है। आस्ट्रेलिया, नेपाल, बलगेरिया, नाइजेरिया और जर्जिया के निर्वाचन प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के सदस्यों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे विश्व निर्वाचन निकायों, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र निर्वाचन सहायता

प्रभाग की एशोस्एिशन प्रशासकीय प्रशिक्षण संस्थानों के अन्य भारतीय निदेशकों के साथ इस कार्यशाल में भाग ले रहे हैं।

कार्यक्रम का द्वितीय दिवस विभिन्न ईएमबी और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ शुरु हुआ जिन्होंने विभिन्न निर्वाचकीय हितधारकों जैसे राजनैतिक दलों, सुरक्षा कर्मचारियों, प्रेक्षकों, मीडिया एवं सिविल सोसायटी संगठनों को प्रशिक्षण देने के बारे में अपने अनुभवों की साझेदारी की। यूएनईएडी के प्रतिनिधियों, अन्यों में से बलगेरिया, जार्जिया और नाइजेरिया के निर्वाचन आयोगों ने उन, विशिष्ट प्रक्रियाओं के बारे में बताया जिन्हें उनके मेजबान संगठनों ने निर्वाचन प्रशिक्षणों से प्रोद्भूत होने वाली चुनौतियों के साथ अपनाया है। इसके अतिरिक्त वक्ताओं ने उनके संबंधित संस्थानों द्वारा भागीदारों के साथ तैयार किए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल और संपूरक जानकारी सामग्री विवरणों की साझेदारी की।

अगले सत्र में, अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए, यूएनडीपी, आईआईआईडीईएम, ए-वेब और साइटल के प्रतिनिधियों ने इलेक्ट्रॉरल प्रशिक्षण और सुदूर प्रशिक्षण में प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर विचार-विमर्श किया। वक्ताओं ने निर्वाचकीय प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुधारने, निरन्तर जानकारी देने के लिए एक प्रबल उपाय के रूप में ई-जानकारी और विभिन्न हितधारकों के लिए निर्वाचन प्रशिक्षण में प्रौद्योगिकी का कार्यान्वयन करने में उनके देशों और संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के लिए प्रौद्योगिकी के प्रयोग की संभावनाओं की चर्चा की।

तीसरे और अंतिम सत्र में, निर्वाचकीय क्षमता विकास हेतु नई दिल्ली वक्तव्य पर विचार-विमर्श करने के लिए प्रतिनिधि समूहों में विभक्त हो गए। चर्चा के लिए चार प्रमुख श्रेणियां तैयार की गयीं- निर्वाचकीय क्षमता विकास में उभरती हुयी चुनौतियों और चिंताओं का सामना करना, प्रशिक्षण सुविधाओं/लोकतंत्र/निर्वाचकीय शिक्षा और क्षमता निर्माण (विशेष तौर से महिलाओं, युवाओं, निशक्त व्यक्तियों और अवयस्कों के समावेश को सुनिश्चित करते हुए) की संघारणीयता और अंत में निर्वाचकों, राजनैतिक दलों, सुरक्षा कार्मिकों, प्रेक्षकों, मीडिया एवं सिविल सोसायटी संगठनों को सम्मिलित करते हुए हितधारकों का क्षमता निर्माण। इसके पश्चात भागीदारों ने संयुक्त रूप से इन बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया और महत्वपूर्ण सिफारिशें की जिन्हें भाग ले रहे निर्वाचकीय प्रशिक्षण संस्थानों एवं संगठनों द्वारा प्रस्तुत किया गया और अपनाया गया।

कार्यशाला ने लोकतंत्र और निर्वाचन प्रबंधन पर प्रशिक्षण और अनुसंधान की गुणवत्ता एवं विषय सामग्री को सुधाने के विचार से निर्वाचकीय क्षमता विकास में नियुक्त सभी संस्थानों के बीच निरन्तर तालमेल और व्यक्ति दर व्यक्ति आदान प्रदान सुनिश्चित करने के लिए एक फोरम की स्थापना करने की सिफारिश की।

(पवन दीवान)
अवर सचिव